



प्रेस विज्ञापित

साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्यकारों पर बने वृत्तचित्रों का उत्सव आरंभ

सत्यव्रत शास्त्री ने किया उद्घाटन

रामदरश मिश्र एवं सत्यव्रत शास्त्री पर दिखाए गए वृत्तचित्र

नई दिल्ली। 11 जून 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं के महत्त्वपूर्ण लेखकों पर बनाए गए वृत्तचित्रों के उत्सव का उद्घाटन आज सायं 4.30 बजे प्रख्यात संस्कृत अध्येता एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य सत्यव्रत शास्त्री ने किया। पाँच दिवसीय इस वृत्तचित्र उत्सव का विधिवत उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि ये फिल्में इतिहास का सच्चा किंतु रोचक दस्तावेज हैं जिनका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक को होता रहेगा। ये हमारी कीमती धरोहर है, इन्हें हमें संभाल कर रखना होगा। आगे उन्होंने कहा कि ये फिल्में उन महान साहित्यकारों को हमारे पास लाकर हमारे परिवार का हिस्सा बना देती हैं और कुछ देर के लिए ही सही हम उन लोगों के साथ कुछ क्षण जी लेते हैं। इससे पहले साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराम ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि साहित्य अकादेमी ने इन वृत्त चित्रों के द्वारा साहित्य की एक पूर्व पीढ़ी को नई पीढ़ी से परिचित कराने के लिए इन फिल्मों का निर्माण कराया है। इस उत्सव से साहित्य के नए अध्येता एवं विद्यार्थी प्रेरणा लेकर साहित्य सृजन के प्रति रूचि प्रदर्शित करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

आज इस उत्सव में सत्यव्रत शास्त्री पर निलोफर शमां द्वारा निर्देशित वृत्तचित्र के अतिरिक्त वरिष्ठ साहित्यकार एवं साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत रामदरश मिश्र पर भी वृत्तचित्र दिखाया गया। इस वृत्तचित्र का निर्देशन राखी ठाकुर ने किया था। इस अवसर पर रामदरश मिश्र स्वयं उपस्थित थे। फिल्म के अंत में उपस्थित दर्शकों ने दोनों लेखकों से विभिन्न सवाल जवाब भी किए। उत्सव के दौरान भारी संख्या में साहित्यकार, लेखक, पत्रकार एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कल 12 जून को सायं 5.00 बजे प्रख्यात हिंदी आलोचक नामवर सिंह और प्रख्यात उर्दू लेखक शीन काफ निजाम पर निर्मित वृत्तचित्र दिखाएँ जाएँगे। श्रोताओं के साथ बातचीत के लिए शीन काफ निजाम उपस्थित रहेंगे।

के.श्रीनिवासराम